STEMI INDIA 2018
Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow
June 30 – July 01, 2018

STEMI INDIA
Management of ST Elevation Myocardial Infarction

COURSE DIRECTORS

Dr. Thomas Alexander
Dr. SK Dwivedi
Dr. Ajit Mullasari
Dr. VS Narain
Dr. Rishi Sethi
Dr. Sharad Chandra

Patrons
Dr. M L Bhatt
Hon'ble VC
KMGU, Lucknow

Dr. Mansoor Hasan
Dr. R K Saran

Course Co-Ordinator
Dr. Akshyaya Pradhan
Dr. Gaurav Chaudhary
Dr. Pravesh Vishwakarma

Organizing Committee
Dr. Monika Bhandari
Dr. Akhil Sharma
Dr. Mahim Saran

Scientific Committee
Dr. P K Goel
Dr. Mukul Mishra
Dr. Nakul Sinha
Dr. Aditya Kapoor
Dr. Satendra Tiwari
Dr. Naveen Garg
Dr. Sudeep Kumar
Dr. Bhuwan Tiwari
Dr. Sudarshan Vijay
Dr. Rupali Khanna
Dr. Naveen Jamwal
Dr. Ashish Jha

API Partners
Dr. Atul Mehrotra
Dr. Sanjay Tandon
Dr. Nirupam Prakash
Dr. H N Tripathi
Dr. Rajiv Awasthi
Dr. S Chaudhary
Dr. S C Chaudhary
Dr. Sajid Ansari

29 जून 2018

दिल के दौरे की नवीनतम प्रबंधन प्रणाली पर स्टेमी इंडिया (STEMI India) 2018 अंतरराष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

इस अवसर पर दिल के दौरे के आपातकालीन प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारम्भ भी होगा

सबसे घातक दिल के दौरे, (जिसे ST Elevation Myocardial Infarction अथवा STEMI / 'स्टेमी' के नाम से जाना जाता है) के प्रबंधन हेतु स्टेमी इंडिया द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला 'स्टेमी इंडिया 2018' का आयोजन 30 जून व 1 जुलाई 2018 को इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ, में किया जा रहा है। 'स्टेमी इंडिया 2018' के कोर्स निदेशक हैं: कोवई मेडिकल सेंटर एंड हॉस्पिटल कोयम्बटूर के कार्डियोलॉजी डिवीज़न के प्रमुख **डॉ थॉमस एलेग्ज़ेंडर**, मद्रास मेडिकल मिशन चेन्नई के कार्डियोलॉजी के डायरेक्टर **डॉ अजित मुल्लासरी**, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) लखनऊ के हृदय रोग विशेषज्ञ **डॉ ऋषि सेठी**, केजीएमयू के हृदय रोग विभाग के प्रमुख **डॉ वीएस नारायण**, तथा केजीएमयू के हृदय रोग विशेषज्ञ **डॉ एसके द्विवेदी**।

डॉ थॉमस एलेग्ज़ेंडर, जो हृदय रोग विशेषज्ञ तथा स्टेमी इंडिया के डायरेक्टर भी हैं, ने बताया कि हृदय की प्रमुख धमनी (कोरोनरी धमनी) की बीमारी (जिसे कोरोनरी आर्टरी डिजीज कहते हैं) भारत में सबसे आम असंक्रामक बीमारी है। उन्होंने यह भी समझाया कि इस रोग से होने वाली रुग्णता तथा मृत्यु दर भारतवासियों में सबसे अधिक है।

पिछले तीन दशकों में भारत में इस रोग की प्रचलन दर में 300% की बढ़ोतरी हुई है: ग्रामीण क्षेत्रों में 2% से बढ़कर 6%, तथा शहरी क्षेत्रों में 4% से बढ़कर 12%। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों का हवाला देते हुए डॉ एलेग्ज़ेंडर ने यह भी बताया कि कोरोनरी आर्टरी डिजीज रोग से पीड़ित भारतीयों की अनुमानित संख्या 6 करोड़ है, जिनमें 2 करोड़ रोगी, 40 वर्ष से कम आयु के हैं तथा 1 करोड़ 30 वर्ष से कम आयु के हैं। इस रोग से प्रति वर्ष मरने वालों की अनुमानित संख्या 29 लाख हैं जिनमें 10 लाख लोग, 40 वर्ष से कम आयु के हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोनरी आर्टरी डिजीज रोग से होने वाली सबसे चुनौतीपूर्ण आपात स्थितियों में से एक है दिल का दौरा: परन्तु समय रहते उचित इलाज मिलने पर इसके द्वारा हुई मृत्यु दर तथा दीर्घकालीन रुग्णता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्टेमी इंडिया 2018 कार्यक्रम दिल के दौरे की नवीनतम प्रबंधन प्रणाली पर चर्चा करेगा तथा डॉक्टरों, अस्पतालों, एम्बुलेंस नेटवर्कों तथा अन्य हितधारकों को एक साथ लाकर स्टेमी के कुशल प्रबंधन हेतु एक आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली को विकसित करेगा.

Secretariat Address
Prof. Rishi Sethi
MD, DM, FRCP (Eden.), FACC, FESC, FSCAI, FAPSIC, MAMS, FCSI, FISC
Organizing Secretary STEMI INDIA 2018,
King George's Medical University,
Lucknow, India.
E-mail - drrishisethi1@gmail.com
Mob - Ishani Nigam +91-8382863450 | Pradeep Mishra +91-7052013104

Administrative Office
STEMI INDIA,
First Floor,
AGT Business Park,
25 Electronics Estate,
Avinashi Road, Coimbatore,
641014.

डॉ अजित मुल्लासरी, जो स्टेमी इंडिया के डायरेक्टर हैं, ने कहा कि इस मीटिंग का उद्देश्य है भारत में दिल के दौरे से सम्बंधित नवीनतम चिकित्सकीय कार्य, शोध और प्रबंधन प्रोटोकॉल की जानकारी दी जाएगी। इसमें भाग लेने वाले अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, विश्व के विभिन्न देशों में हो रहे दिल के दौरे के आपातकाल प्रबंधन से जुड़ी हुईं प्रख्यात हस्तियाँ हैं। भारत के अनेक प्रदेशों से आये विशेषज्ञ, इस कार्यक्रम में दिल के दौरे के रोगी की देखभाल में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों, जैसे कि, इमरजेंसी रूम डॉक्टर, हृदय रोग विशेषज्ञ, कार्डियक कैथीटेराइजेशन तकनीकि टीम, नर्स, आदि, को व्यापक प्रशिक्षण दिया जायेगा ताकि रोगी को दिए जाने वाले उपचार में कोई विलम्ब न हो तथा समोचित समन्वयन के द्वारा, इलाज के अनुकूल परिणाम मिल सकें।

डॉ ऋषि सेठी ने बताया कि इस सम्मेलन का एक और प्रमुख उद्देश्य है **उत्तर प्रदेश राज्य में 'हार्ट अटैक टीम'** की मदद से हृदयाघात प्रबंधन कार्यक्रम लागू करना। इस कार्यक्रम का नाम है **स्टेमी इंडिया मॉडल** तथा यह सभी निम्न और मध्य आय वर्ग देशों के लिए प्रामाणिक रूप से एक आदर्श कार्यक्रम माना जाता है। इस बैठक में विश्व के विभिन्न देशों से आये हुए विशेषज्ञ, स्टेमी इंडिया के सदस्य तथा सरकारी अधिकारी इस कार्यक्रम को यूपी में लागू करने की योजना पर विचार करेंगे।

स्टेमी इंडिया 2018 के कोर्स समन्वयक और किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के हृदय रोग विशेषज्ञ, **डॉ अक्षय प्रधान** और **डॉ प्रवेश विश्वकर्मा** ने स्पष्ट किया कि यह मीटिंग केवल डॉक्टरों के लिए ही नहीं है, बल्कि 'हार्ट अटैक टीम' के सभी सदस्यों के लिए है जो दिल के दौरे के रोगी की आपातकालीन देखभाल में योगदान देते हैं जैसे कि नर्स, कैथ लैब तकनीकि विशेषज्ञ, एम्बुलेंस के चिकित्सा सहायक, आदि। इन सभी का रोगी की जान बचाने में एक महत्वपूर्ण योगदान होता है।

डॉ वीएस नारायण ने कहा कि इस सम्मलेन में 750 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे जिन्हें हृदयाघात के रोगी की देखभाल सम्बन्धी पूरा प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस सम्मलेन को भारत ही नहीं वरन अनेक एशियाई और अफ़रीकी देशों से भी जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ है। इन देशों के प्रतिनिधि इस सम्मलेन में भाग लेकर स्टेमी इंडिया मॉडल के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगें ताकि वे इसे अपने देशों में भी लागू कर सकें।

स्टेमी इंडिया 2018 की आयोजक समिति की सदस्या और किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की हृदय रोग विशेषज्ञ **डॉ मोनिका भंडारी** ने भी प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

स्टेमी इंडिया के बारे में

स्टेमी इंडिया (STEMI India) एक गैर सरकारी संगठन है जो हृदयाघात के रोगियों की देखभाल के लिए समर्पित है। स्टेमी अथवा दिल का तीव्र दौरा एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण समस्या है, परन्तु यदि इसका अविलम्ब और उचित इलाज किया जाए तो मरीज की जान बचायी जा सकती है।

भारत में प्रति वर्ष 30 लाख व्यक्ति दिल के दौरे का शिकार होते हैं। उनकी जान बचाने के लिए आवश्यक है कि उन्हें इलाज मिलने में देरी न हो और पूरी मेडिकल टीम एकजुट होकर कुशल समन्वयन के साथ काम करे।

स्टेमी इंडिया ने हृदयाघात प्रबंधन हेतु एक अनूठे 'मॉडल ऑफ केयर' को विकसित किया है, जिसके कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों, निर्धन रोगियों के लिए स्वास्थ्य बीमा सेवाओं और राजकीय एम्बुलेंस

सेवाओं में परस्पर सहयोग आवश्यक है। इस मॉडल के तहत हर एम्बुलेंस तथा अस्पताल में एक 'स्टेमी किट' फिट किया जाता है जिसके द्वारा रोगी का ईसीजी (इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम) रिकॉर्ड करके बड़े अस्पताल में भेजा जा सकता है। अनुभवी हृदय रोग विशेषज्ञ की एक टीम 24 घंटे कॉल पर उपलब्ध रहती है जो उनके मोबाइल फोन पर स्टेमी इंडिया ऐप द्वारा भेजी गयी ईसीजी रिपोर्ट का निदान करते हैं।

तमिल नाडु में स्टेमी इंडिया ने आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च / भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसन्धान परिषद) के साथ मिलकर इस मॉडल के प्रभावकारी असर को परखने के लिए एक वर्षीय पायलट शोध किया, जिसके बहुत सफल परिणाम मिले हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

प्रोफ़ेसर डॉ ऋषि सेठी

आयोजक सचिव, स्टेमी इण्डिया 2018

हृदय रोग विशेषज्ञ, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय

फोन: 83828–63450 ईशानी निगम, 70520–13104 प्रदीप मिश्रा